आशीष: प.पू.आ. श्री रविदेव सूरीश्वरजी म.सा

अर्हम् साईट प्रकाशित

अर्हम् दैनिक

अंक : 61 , ता. 31. 5. 2025 , शनिवार , जेठ सुद - 5

धर्मलाभ

पुण्य वो खजाना है !
जो देने से बढ़ता है...
और पाप वो कर्ज़ है ,
जो छुपाने से भी चढ़ता है ।

आचार्य श्री रविदेव सूरिजी

आनंदराज की कलम

~ मुनि आगमप्रिय विजय {आनंदराज}

कभी सोचा है कि पुण्य और पाप क्या होते हैं? नहीं? चलो आज हम इसे ऐसे समझते हैं जैसे कोई मस्तीभरा गेम हो - जिसमें कुछ पॉइंट्स मिलते हैं और कुछ कट जाते हैं!

पुण्य - दिल से किया गया 'लाइक'

पुण्य वो है जो आपके दिल से निकला हुआ 'लाइक' है - मतलब किसी की मदद की, किसी बुज़ुर्ग को सड़क पार करवा दी, भूखे को खाना खिला दिया या फिर बस किसी के दुख में मुस्कान ला दी। पुण्य करने का कोई बटन नहीं होता, लेकिन हर पुण्य करने पर ऊपर वाला एक अदृश्य थम्ब्स-अप जरूर देता है।

सोचो अगर पुण्य करने पर Paytm की तरह नोटिफिकेशन आता - "आपके अकाउंट में 50 पुण्य पॉइंट्स जुड़ गए हैं!"

अब मज़ा ही आ जाता।

पाप - वो गलत क्लिक जो Undo नहीं होता ।

" पुण्य और पाप " धरती का GPS सिस्टम !

अब पाप की बात करें - तो ये कुछ वैसा है जैसे गलती से किसी का Wi-Fi हैक कर लिया या फिर किसी का दिल। मतलब जानबूझकर किसी को चोट पहुँचाना, धोखा देना, झूठ बोलना या मम्मी से छिपाकर चॉकलेट खा जाना (हाँ, वो भी थोड़ा पाप ही है)। पाप का कोई pop-up नहीं आता, पर अंदर ही अंदर मोबाइल की बैटरी की तरह आत्मा low हो जाती है।

और जब बहुत सारे पाप हो जाएं, तो ऊपर वाला कहता है - "भाई, अब थोड़ा एड उठाओ, एडमिन नाराज़ है!"

लाइफ का बैलेंसशीट - पुण्य बनाम पाप

जैसे हर गेम में पॉइंट्स का स्कोर होता है, वैसे ही ज़िंदगी में पुण्य और पाप का भी बैलेंसशीट बनता है। पुण्य ज्यादा, तो VIP एंट्री सीधी स्वर्ग में। पाप भारी, तो... चलो नाम नहीं लेते, पर गर्मी ज़्यादा होती है वहाँ।

Tip : पुण्य जमा करने की कोई लिमिट नहीं है, लेकिन पाप के ओवरड्राफ्ट से बचना ही बेहतर है।

मार्मिक प्रश्नमंच - 209

सूर्य दुसरे कौनसे नाम से जाना जाता है ???

(1) मार्तण्ड
(2) ग्लौ
(3) भौम
(4) छाया सुनु

प्रश्नमंच 208
जवाब (4)
बुध

विजेता : श्री इशिता हिरन - धोलवाड

ज्योतिष प्रवेशिका पुस्तक प्राप्त करें मात्र ₹ 200में । 9428913847

Arham Site
अर्हम् साईट

contact : 8849680131
arhamsite9@gmail.com

जवाब 9428913847 पर whatsapp करें...
ड्रो द्वारा विजेता को नाम अर्हम् दैनिक में आयेगा एवं 13 ₹ ईनाम प्राप्त होगा।

आज के अंक लाभार्थी

श्री सारिका जैन
विजयवाडा

www.arhamsite.com
क्लिक करें...

आशीष: प.पू.आ. श्री रविदेव सूरीश्वरजी म.सा

अर्हम् साईट प्रकाशित

अर्हम् दैनिक

अंक : 62 , ता. 1. 6. 2025 , रविवार , जेठ सुद - 6

स्वाभिमान वो आईना है, जो हमें खुद से नज़रें मिलाना सिखाता है और दुनिया को दिखाता है कि हम झुक सकते हैं, पर टूट नहीं सकते।

धर्मलाभ आचार्य श्री रविदेव सूरिजी

आनंदराज की कलम

~ मुनि आगमप्रिय विजय {आनंदराज}

स्वाभिमान यानी आत्मसम्मान – ये वो भावना है जो हमें याद दिलाती है कि हम *'कुछ'* हैं। और कभी-कभी ये इतनी मज़बूत हो जाती है कि हम 'कुछ ज़्यादा' ही समझने लगते हैं। चलिए, इसी स्वाभिमान की दुनिया में एक हल्के-फुल्के, मजेदार अंदाज़ में डुबकी लगाते हैं।

☕ स्वाभिमान की सुबह

एक दिन सुबह-सुबह चाय का कप लेकर शर्मा जी बालकनी में बैठे थे। अचानक नीचे से आवाज़ आई –

"शर्मा जी, दूध वाले का बिल देना है!"

शर्मा जी का स्वाभिमान तुरंत उठ खड़ा हुआ। बोले,

"भाईसाहब, हम तो UPI से ही पेमेंट करते हैं।

हम नकद नहीं रखते!"

दूधवाला बोला, "ठीक है, लेकिन पिछली बार भी UPI से भेजा था, पर आया नहीं!"

शर्मा जी बोले – "वो नेटवर्क की गलती होगी, हम ऐसे नहीं हैं!"

स्वाभिमान और नेटवर्क – दोनों ही कभी-कभी गायब हो जाते हैं ।

स्वाभिमान की शान में.... जब इज़्ज़त भी हँस पड़ी !!!

🛍️ बाजार में स्वाभिमान

शर्मा जी अपनी पत्नी के साथ बाजार गए। एक दुकान में घुसे और मोलभाव शुरू हुआ।

दुकानदार बोला – "मैडम, ये आखिरी रेट है। इससे कम नहीं होगा।"

मैडम ने कहा – "स्वाभिमान की बात है, हम तो बिना मोलभाव के खरीदते ही नहीं। चलो शर्मा जी, दूसरी दुकान चलते हैं।"

शर्मा जी धीरे से बोले – "स्वाभिमान मेरा है या तुम्हारा? जेब तो मेरी कट रही है!"

(लेकिन समझदारी इसी में थी कि चुपचाप चल दिए)

😄 निष्कर्ष

स्वाभिमान एक ज़रूरी चीज़ है – ये हमें सम्मान देना सिखाता है। लेकिन अगर इसका डोज़ ज़्यादा हो जाए, तो ज़िंदगी कॉमेडी बन जाती है।

तो अगली बार जब आप कहें – "मुझे मेरी इज़्ज़त प्यारी है!" – तो ध्यान रखिए, कहीं चाय का कप गिरकर स्वाभिमान न फिसला दे!

अगर आपको ये लेख पसंद आया, तो अपने स्वाभिमानी दोस्तों से ज़रूर शेयर करें – लेकिन ध्यान रखें, बिना क्रेडिट दिए शेयर न करें, वरना हमारा स्वाभिमान भी जाग जाएगा! 😄

मार्मिक प्रश्नमंच – 210

चन्द्र दुसरे कौनसे नाम से जाना जाता है ???

(1) अगु
(2) मंद
(3) निशानाथ
(4) तरणि

प्रश्नमंच 209
जवाब (1)
मार्तण्ड

विजेता : श्री प्रिती जैन – दिल्ही

ज्योतिष प्रवेशिका पुस्तक प्राप्त करें मात्र ₹ 200में । 9428913847

Arham Site
अर्हम् साईट
contact : 8849680131
arhamsite9@gmail.com

जवाब 9428913847 पर whatsapp करें...
ड्रो द्वारा विजेता को नाम अर्हम् दैनिक में आयेगा एवं 13 ₹ ईनाम प्राप्त होगा।

आज के अंक लाभार्थी

श्री रविन्द्र जैन
विजयवाडा

www.arhamsite.com
क्लिक करें...

आशीष: प.पू.आ. श्री रविदेव सूरीश्वरजी म.सा

अर्हम् साईट प्रकाशित

अर्हम् दैनिक

अंक : 63 , ता. 2. 6. 2025 , सोमवार , जेठ सुद - 7

धर्मलाभ

बदले हैं कई मौसम,
बदली नहीं तक़दीर,
कभी खुद से ही शिकवा,
कभी रब से तकरार।

आचार्य श्री रविदेव सूरिजी

आनंदराज की कलम

~ मुनि आगमप्रिय विजय {आनंदराज}

" नसीब से नहीं, मेहनत से लड़ो "

नसीब जब खराब हो ।

जीवन एक अनिश्चित यात्रा है। कभी सूरज की रौशनी सी चमकती, तो कभी काली घटाओं से ढकी हुई। हर इंसान के जीवन में एक ऐसा दौर आता है जब सब कुछ उल्टा लगने लगता है – मेहनत के बावजूद सफलता नहीं मिलती, रिश्ते टूटने लगते हैं, और किस्मत जैसे साथ छोड़ देती है। ऐसे वक्त में दिल से अक्सर निकलता है – " नसीब ही खराब है "

लेकिन क्या सच में नसीब ही सब कुछ तय करता है?

नसीब और मेहनत का रिश्ता

नसीब वह नहीं जो आपको बिना कुछ किए मिल जाए। असल नसीब तो वह है जो मेहनत के बाद आपके दरवाज़े पर दस्तक देता है। जब हालात खराब होते हैं, तो ज़िंदगी हमें परखती है – हमारी सहनशीलता, हमारा आत्मविश्वास और हमारी लड़ने की ताकत। यही वो वक्त होता है जब हम या तो हार मान लेते हैं, या एक नई शुरुआत करने का साहस जुटाते हैं।

मुसीबतें क्यों आती हैं ???

एक लोहे को अगर तेज तलवार बनाना हो, तो पहले उसे आग में तपाया जाता है, फिर पीटा जाता है, और अंत में धार दी जाती है। ठीक वैसे ही कठिनाइयाँ हमें मज़बूत बनाती हैं। हर असफलता हमें एक नया सबक देती है, हर गिरावट हमें उठने की नई वजह देती है।

नसीब बदलता कैसे है ???

सकारात्मक सोच :: बुरे वक्त में खुद को कोसना नहीं, खुद को संभालना ज़रूरी होता है।

अनुशासन :: रोज़ थोड़ी मेहनत भी लंबे वक्त में बड़ा असर लाती है।

धैर्य और विश्वास :: हर अंधेरी रात के बाद सुबह होती है।

नसीब को जवाब दो...

अगर नसीब बार-बार तुम्हें गिरा रहा है, तो उठो – फिर से, और फिर से। हर बार पहले से ज़्यादा मज़बूती के साथ। याद रखो, हीरे परखने वाला जोहरी देर से मिलता है, लेकिन जब मिलता है, तब हीरे की असली कीमत दुनिया को भी पता चलती है।

जब नसीब खराब हो ! तब मेहनत को अपना , हथियार बना लो....किस्मत तब जरूर पलटेगी।

मार्मिक प्रश्नमंच - 211

बुध ग्रह दुसरे कौनसे नाम से जाना जाता है ???

(1) सौम्य
(2) कुज
(3) इन्दु
(4) भास्कर

प्रश्नमंच 210
जवाब (3)
निशानाथ

विजेता : श्री जयश्री बेन - बारशी

ज्योतिष प्रवेशिका पुस्तक प्राप्त करें मात्र ₹ 200में । 9428913847

Arham Site

अर्हम् साईट

contact : 8849680131

arhamsite9@gmail.com

जवाब 9428913847 पर whatsapp करें... ड्रो द्वारा विजेता को नाम अर्हम् दैनिक में आयेगा एवं 13 ₹ ईनाम प्राप्त होगा।

आज के अंक लाभार्थी

श्री गौतम जैन

विजयवाडा

www.arhamsite.com क्लिक करें...

आशीष: प.पू.आ. श्री रविदेव सूरीश्वरजी म.सा

अर्हम् साईट प्रकाशित

अर्हम् दैनिक

अंक : 64 , ता. 3. 6. 2025 , मंगलवार , जेठ सुद - 8

उपकार वह बीज है जो बिना अपेक्षा के बोया जाए... और अपकार वह छाया है , जो अक्सर उसी पेड़ से मिलती है । फिर भी, भलाई करते रहना ही इंसानियत की असली पहचान है ।

आचार्य श्री रविदेव सूरिजी

धर्मलाभ

आनंदराज की कलम

~ मुनि आगमप्रिय विजय {आनंदराज}

उपकार और अपकार एक मजेदार नजरिया

उपकार यानी किसी की भलाई करना, बिना बदले की उम्मीद के। और अपकार? जब कोई भलाई का बदला उल्टा नुकसान से दे दे – वही है अपकार।

अब ज़िंदगी में दोनों मिलते हैं। किसी दिन आप किसी की मदद करें – जैसे रास्ता बताएं, छाता पकड़ाएं, या सब्ज़ी उठाने में हाथ बंटाएं। फिर एक दिन वही इंसान आपको देखकर मोबाइल में घुस जाए, तो समझ लीजिए – आपने उपकार किया, और उसने अपकार में बदल दिया!

मजेदार बात ये है कि अपकार करने वाले अक्सर बड़ी मासूम शक्ल लेकर कहते हैं, "अरे यार, भूल गया!" और उपकार करने वाले बस मुस्कुरा कर सोचते हैं, "चलो, अच्छा किया था, कम से कम खुद को अच्छा समझ सकता हूँ।"

समस्या तब होती है जब लोग उपकार को गिनती में रखने लगते हैं – जैसे कोई मोबाइल ऐप हो: "तीन बार मदद की, चौथी बार याद रखना!"

और अपकार करने वाले? वो तो जैसे भूलने की स्पर्धा में हिस्सा ले रहे हों। उन्हें याद ही नहीं रहता कि किसने कब उनके लिए क्या किया।

असल मजा तब आता है जब आप उपकार करके भूल जाएं, और सामने वाला अपकार करके भी डर जाए – यही सच्ची शांति है!

:: निष्कर्ष ::

उपकार करना स्मार्टनेस है,

अपकार भूल जाना महा-स्मार्टनेस।

और दोनों को हँसी में लेना - यही असली मजाक है!

भलाई कर और भूल जा , यही है असली फकीरी ।

वरना तो दुनिया कहती है ,

तेरा क्या फायदा, मेरी क्या मजबूरी ?

मार्मिक प्रश्नमंच - 212

गुरू ग्रह दुसरे कौनसे नाम से जाना जाता है ???

(1) शीतरश्मि
(2) देवजन्य
(3) तारातनय
(4) सर्प

प्रश्नमंच 211
जवाब (1)
सौम्य

विजेता : श्री बीना शाह - कलकत्ता

ज्योतिष प्रवेशिका पुस्तक प्राप्त करें मात्र ₹ 200में । 9428913847

Arham Site
अर्हम् साईट
contact : 8849680131
arhamsite9@gmail.com
जवाब 9428913847 पर whatsapp करें...
ड्रो द्वारा विजेता को नाम अर्हम् दैनिक में आयेगा एवं 13 ₹ ईनाम प्राप्त होगा।

आज के अंक लाभार्थी

ध्रुव कोठारी
सुरत

www.arhamsite.com
क्लिक करें...

आशीष: प.पू.आ. श्री रविदेव सूरीश्वरजी म.सा

अर्हम् साईट प्रकाशित

अर्हम् दैनिक

अंक : 65 , ता. 4. 6. 2025 , बुधवार , जेठ सुद - 9

व्यापार में समृद्धि और सफलता के लिए , न केवल मेहनत आवश्यक है, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा और सही दिशा का भी महत्व है।

धर्मलाभ आचार्य श्री रविदेव सूरिजी

आनंदराज की कलम

~ मुनि आगमप्रिय विजय {आनंदराज}

दुकान की समृद्धि के लिए प्रभावी वास्तु शास्त्र उपाय

वास्तु शास्त्र के अनुसार, दुकान की सफलता और समृद्धि के लिए कुछ विशेष दिशा-निर्देश और उपाय बताए गए हैं। जो आपके व्यापारिक स्थान को सकारात्मक ऊर्जा से भर सकते हैं।

1. दुकान का मुख्य द्वार (Entrance)

" सही दिशा " मुख्य द्वार उत्तर, पूर्व या उत्तर-पूर्व दिशा में होना चाहिए, क्योंकि ये दिशाएं सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि को आकर्षित करती हैं।

" स्वच्छता और अवरोधमुक्तता " द्वार के पास कोई अवरोध नहीं होना चाहिए। साफ-सफाई और खुला स्थान ग्राहकों को आकर्षित करता है।

2. कैश काउंटर (Cash Counter)

" स्थान " कैश काउंटर को दक्षिण-पूर्व दिशा में रखें, जिससे यह आग तत्व से जुड़ा होता है और वित्तीय समृद्धि को बढ़ावा देता है।

" मुख की दिशा " काउंटर पर बैठने वाले व्यक्ति का चेहरा उत्तर या पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए।

3. मालिक की बैठने की दिशा (Owner's Seating)

" सही दिशा " मालिक को दुकान के अंदर उत्तर या पूर्व दिशा की ओर मुंह करके बैठना चाहिए। दक्षिण या पश्चिम दिशा में बैठने से व्यापार में समस्याएं आ सकती हैं।

4. उत्पादों की प्रदर्शनी (Product Display)

" सही स्थान " हॉट सेलिंग उत्पादों को उत्तर-पश्चिम दिशा में रखें, जिससे बिक्री में वृद्धि होती है।

" सामग्री का प्रकार " भारी सामानों को दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखें, जबकि हल्के सामानों को उत्तर या पूर्व दिशा में रखना शुभ माना जाता है।

5. रंग और सजावट (Colors and Décor)

" अनुकूल रंग " हल्के और सुखदायक रंग जैसे सफेद, क्रीम, हल्का नीला या हल्के हरे रंग का उपयोग करें। गहरे रंग जैसे काला या गहरा नीला से बचें, क्योंकि ये नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित कर सकते हैं।

" स्वस्तिक और शुभ-लाभ " दुकान की दीवारों पर स्वास्तिक, शुभ-लाभ और सिद्धि-रिद्धि जैसे शुभ प्रतीकों का चित्रण करें।

6. दर्पण का उपयोग (Mirror Placement)

" स्थान " दर्पण को उत्तर, उत्तर-पूर्व या पश्चिम दिशा में रखें। यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाने में मदद करता है।

" सावधानी " दर्पण को कैश काउंटर या बिलिंग मशीन के सामने रखें, जिससे आय में वृद्धि होती है।

मार्मिक प्रश्नमंच - 213

गुरू ग्रह के साथ मंत्री पद धारण करनेवाला ग्रह कौनसा है ???

(1) सूर्य
(2) शुक्र
(3) मंगल
(4) राहु

प्रश्नमंच 212
जवाब (2)
देवजन्य

विजेता : श्री राजेश्वरीबेन गांधी - सुरत

ज्योतिष प्रवेशिका पुस्तक प्राप्त करें मात्र ₹ 200में । 9428913847

Arham Site

अर्हम् साईट

contact : 8849680131

arhamsite9@gmail.com

जवाब 9428913847 पर whatsapp करें...

ड्रो द्वारा विजेता को नाम अर्हम् दैनिक में आयेगा एवं 13 ₹ ईनाम प्राप्त होगा।

आज के अंक लाभार्थी

श्री रमेशभाई शाह
मालाड (वेस्ट)
मुंबई

www.arhamsite.com क्लिक करें...

आशीष: प.पू.आ. श्री रविदेव सूरीश्वरजी म.सा

अर्हम् साईट प्रकाशित

अर्हम् दैनिक

अंक : 66 , ता. 5. 6. 2025 , गुरूवार , जेठ सुद - 10

धर्मलाभ

जब तक भीतर से ,
उम्मीद ज़िंदा है...
तब तक कोई भी अंधेरा ,
तुम्हें रोक नहीं सकता ।
आचार्य श्री रविदेव सूरिजी

आनंदराज की कलम

~ मुनि आगमप्रिय विजय {आनंदराज}

" उदासीनता से बाहर निकलें "

उदासीनता (यानि निरुत्साह, बेरुख़ी या जीवन में रुचि की कमी) एक मानसिक स्थिति है, जो हमारे व्यक्तिगत विकास, संबंधों और कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकती है।

1. उद्देश्य और लक्ष्य निर्धारित करें

क्यों ज़रूरी है " जब जीवन में कोई स्पष्ट लक्ष्य या उद्देश्य नहीं होता, तो व्यक्ति दिशा हीन महसूस करता है।

" क्या करें " छोटे-छोटे दैनिक लक्ष्य तय करें और दीर्घकालिक सपनों को चरणों में बांटें। इससे प्रेरणा मिलेगी।

2. दिनचर्या में बदलाव लाएं

" क्यों ज़रूरी है " एक जैसी और उबाऊ दिनचर्या मन को सुस्त कर देती है।

" क्या करें " कुछ नया सीखें, कोई हॉबी अपनाएं, नई जगह घूमने जाएं या अपने कार्य करने का तरीका बदलें।

3. आत्मचिंतन और ध्यान (मेडिटेशन) करें

" क्यों ज़रूरी है " ध्यान और आत्मचिंतन से मन शांत होता है और खुद को समझने में मदद मिलती है।

" क्या करें " हर दिन 10-15 मिनट का मेडिटेशन करें। ज़रूरत पड़े तो गाइडेड मेडिटेशन या योग का सहारा लें।

4. सकारात्मक लोगों के साथ समय बिताएं

" क्यों ज़रूरी है " नकारात्मक या थके हुए लोगों की संगति से ऊर्जा भी नीचे गिरती है।

" क्या करें " ऐसे लोगों के साथ जुड़ें जो प्रेरणादायक हों, आपको समझें और जीवन में उत्साह भरें।

5. शारीरिक गतिविधि और व्यायाम करें

" क्यों ज़रूरी है " व्यायाम से न केवल शरीर बल्कि दिमाग भी सक्रिय और सकारात्मक होता है।

" क्या करें " रोज़ाना कम से कम 20-30 मिनट पैदल चलें, योग करें या जिम जाएं।

6. जरूरत पड़ने पर सलाह लें

" क्यों ज़रूरी है " कभी-कभी उदासीनता डिप्रेशन या मानसिक थकान का संकेत हो सकती है।

" क्या करें " यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहे, तो मनोवैज्ञानिक या काउंसलर से संपर्क करें।

मार्मिक प्रश्नमंच - 214

संगीतकार पर कौनसे ग्रह का आधिपत्य होता है ???

(1) शुक्र
(2) गुरु
(3) बुध
(4) चंद्र

प्रश्नमंच 213
जवाब (2)
शुक्र

विजेता : श्री धनुभाई - बारसी

ज्योतिष प्रवेशिका पुस्तक प्राप्त करें
मात्र ₹ 200में । 9428913847

Arham Site
अर्हम् साईट
contact : 8849680131
arhamsite9@gmail.com

जवाब 9428913847 पर whatsapp करें...
ड्रो द्वारा विजेता को नाम अर्हम् दैनिक में आयेगा एवं 13 ₹ ईनाम प्राप्त होगा।

आज के अंक लाभार्थी

श्री रमेशभाई शाह
मालाड (वेस्ट)
मुंबई

www.arhamsite.com
क्लिक करें...

आशीष: प.पू.आ. श्री रविदेव सूरीश्वरजी म.सा

अर्हम् साईट प्रकाशित

अर्हम् दैनिक

अंक : 67 , ता. 6. 6. 2025 , शुक्रवार , जेठ सुद - 11

धर्मलाभ

जब अपने ही पीठ में छुरा घोंपें ,
तो समझो तुम सीधा चल रहे थे ।
धोखा तक़लीफ़ देता है , पर
हक़ीक़त की आँखें खोल देता है ।

आचार्य श्री रविदेव सूरिजी

आनंदराज की कलम

~ मुनि आगमप्रिय विजय {आनंदराज}

जब अपनों से धोखा मिले
टूटने से जागने तक की यात्रा

आइए अब बात करते हैं उस गहरे और असली धोखे की,
जब कोई अपना ही आपके साथ गद्दारी करता है।

1. पहले दिल ठंडा, फिर दिमाग गर्म

जब कोई अपना धोखा देता है परिवार का सदस्य, दोस्त, बिज़नेस पार्टनर या भरोसेमंद इंसान तो सबसे पहला काम ये नहीं कि जवाब दो, बल्कि ये कि खुद को स्थिर रखो ।
धोखे के बाद तुरंत रिएक्शन अक्सर पछतावे में बदल जाते हैं।
पहले खुद को कहो
मुझे चोट लगी है , पर मैं टूटा नहीं हूं।

2. धोखा तुम्हारी कमजोरी नहीं, उनकी पहचान है

अगर किसी ने तुम्हारे भरोसे का गला घोंटा है, तो इसका मतलब ये नहीं कि तुमने गलत किया,
बल्कि ये साबित करता है कि वो व्यक्ति तुम्हारे भरोसे के लायक नहीं था । जो लोग पीठ पीछे वार करते हैं, वे सामने चलने की औकात नहीं रखते।

3. धोखे को सबक में बदलो, बोझ में नहीं

हर धोखा एक कहानी छोड़ जाता है, और हर कहानी में एक पाठ छुपा होता है।

:: पूछो खुद से ::

मैंने किस पर और क्यों भरोसा किया?
मैंने क्या अनदेखा किया?
अब मैं खुद को कैसे सुरक्षित रख सकता हूँ?

हर घाव से सीख लो, पर हर बार डरना मत सीखो।

4. दूसरों को माफ़ करो... खुद के लिए

माफ़ करना कमज़ोरी नहीं है। इसका मतलब ये नहीं कि आप भूल गए, या वापस वही रिश्ता चाहिए।
माफ़ करना एक तरीका है खुद को उस ज़हर से आज़ाद करने का, जो किसी और के कर्मों ने आपके अंदर भर दिया।
कभी-कभी माफ़ी देना सबसे बड़ा बदला होता है, क्योंकि वो तुम्हें शांत और उन्हें शर्मिंदा करता है।

5. सीखो भरोसा करना पर आँख मूंदकर नहीं

जिंदगी में सबको शक की नज़र से देखना भी ग़लत है।
लेकिन हर बार अंधे होकर भरोसा करना भी खुद के साथ अन्याय है।

:: अब सीखो ::

किन पर कितना भरोसा करना है,
कब हां कहना है और कब देखते हैं कहना है,
और कब खुद की सलाह, सबसे बेहतर सलाह होती है।
अंत में: धोखा तुम्हारा अंत नहीं, तुम्हारी अगली शुरुआत है ।

विश्वासघात बेशक दुखद होता है। लेकिन जब आप उससे बाहर निकलते हैं , तो आप पहले से ज़्यादा सजग, समझदार और मजबूत बनते हैं।
लोहा जब तपता है, तभी तलवार बनता है। और इंसान जब टूटता है, तभी असली बनता है।"

मार्मिक प्रश्नमंच - 215

हर राशि का विस्तार
कितने अंश का होता है ???

(1) 360
(2) 32
(3) 30
(4) 12

प्रश्नमंच 214
जवाब (1)
शुक्र

विजेता : श्री रश्मिकांत दोशी - अमदावाद

ज्योतिष प्रवेशिका पुस्तक प्राप्त करें
मात्र ₹ 200में । 9428913847

Arham Site
अर्हम् साईट
contact : 8849680131
arhamsite9@gmail.com
जवाब 9428913847 पर
whatsapp करें...
इ्से द्वारा विजेता को नाम
अर्हम् दैनिक में आयेगा
एवं 13 ₹ ईनाम प्राप्त होगा।

आज के अंक लाभार्थी

श्री रमेशभाई शाह
मालाड (वेस्ट)
मुंबई

www.arhamsite.com
क्लिक करें...

आशीष: प.पू.आ. श्री रविदेव सूरीश्वरजी म.सा

अर्हम् साईट प्रकाशित

अर्हम् दैनिक

अंक : 68 , ता. 7.6.2025 , शनिवार , जेठ सुद - 12

धर्मलाभ

जब मन बाहर की दौड़ से , थक जाता है । तब आत्मा , भीतर की शांति पुकारती है ! यही साधना की शुरुआत है।

आचार्य श्री रविदेव सूरिजी

आनंदराज की कलम

~ मुनि आगमप्रिय विजय {आनंदराज}

🌿 आध्यात्मिक साधना का लक्ष्य 🌿

मनुष्य जीवन केवल रोटी, कपड़ा और मकान के लिए नहीं मिला है। भीतर कुछ ऐसा है जो हर समय कुछ " अधिक " चाहता है । स्थिर शांति, सच्चा प्रेम, और एक ऐसा सुख जो समय से परे हो। यही खोज हमें आध्यात्मिक साधना की ओर ले जाती है।

आध्यात्मिक साधना आत्मा की उस परम स्रोत से पुन: जुड़ने की प्रक्रिया है, जिससे वह कभी अलग हो गई थी परमात्मा से। बाहर की दुनिया में भटकते-भटकते जब आत्मा थक जाती है, तब वह भीतर लौटती है। यह लौटना ही साधना है।

" वापसी अपने सत्य की ओर "

इस साधना का अंतिम लक्ष्य स्वयं को जानना, अहंकार को पिघलाना, और उस प्रेम में लीन हो जाना है जो शर्तों से परे है। जब साधक अपने भीतर के मौन में उतरता है, तब उसे अनुभव होता है कि "मैं शरीर नहीं, मन नहीं — मैं आत्मा हूँ, और परमात्मा मेरा सच्चा घर है।"

आध्यात्मिकता कोई भागना नहीं, बल्कि लौटना है । स्वयं में, सत्य में, परमात्मा में।

आत्मा और परमात्मा का संबंध अति सूक्ष्म, लेकिन अत्यंत मधुर है। आत्मा सीमित होते हुए भी परमात्मा की खोज में लगी रहती है। जैसे नदी समुद्र की ओर बहती है, वैसे ही आत्मा भी परमात्मा से मिलने के लिए आकुल रहती है। जब आत्मा परमात्मा में लीन हो जाती है, तभी पूर्ण शांति और आनंद की अनुभूति होती है। यही अंतिम सत्य है

साधना वह दीप है जो अंधेरे में नहीं जलता, बल्कि भीतर का अंधकार मिटा देता है।

मार्मिक प्रश्नमंच - 216

कौनसा ग्रह वक्री नहीं होता है ???

(1) राहु
(2) रवि
(3) बुध
(4) गुरू

प्रश्नमंच 215 जवाब (3) 30

विजेता : श्री कंचनबेन शान्तिलाल

ज्योतिष प्रवेशिका पुस्तक प्राप्त करें मात्र ₹ 200में । 9428913847

Arham Site
अर्हम् साईट
contact : 8849680131
arhamsite9@gmail.com

जवाब 9428913847 पर whatsapp करें...

ड्रो द्वारा विजेता को नाम अर्हम् दैनिक में आयेगा एवं 13 ₹ ईनाम प्राप्त होगा।

आज के अंक लाभार्थी

श्री रमेशभाई शाह
मालाड (वेस्ट)
मुंबई

www.arhamsite.com क्लिक करें...

आशीष: प.पू.आ. श्री रविदेव सूरीश्वरजी म.सा

अर्हम् साईट प्रकाशित

अर्हम् दैनिक

अंक : 69 , ता. 8. 6. 2025 , रविवार , जेठ सुद - द्वि. 12

धर्मलाभ

जो स्वयं को पढ़ना सीख लेता है ।
वह संसार की सबसे महान पुस्तक को समझने लगता है।
आचार्य श्री रविदेव सूरिजी

आनंदराज की कलम

~ मुनि आगमप्रिय विजय {आनंदराज}

भीतर की ओर स्वाध्याय की अनोखी यात्रा

स्वाध्याय, यानी स्वयं का अध्ययन। यह शब्द जितना सीधा है, उसकी गहराई उतनी ही रहस्यमयी है। यह कोई किताबों में डूबने भर की क्रिया नहीं, बल्कि अपने भीतर झाँकने की एक साहसी पहल है।

कल्पना कीजिए कि आप एक शांत झील के किनारे बैठे हैं। झील का पानी स्थिर है, और उसमें आपका प्रतिबिंब साफ दिखाई दे रहा है। यही है स्वाध्याय – जब जीवन की हलचल थमती है और आप अपने असली चेहरे को पहचानने लगते हैं।

इस साधना का अंतिम लक्ष्य स्वयं को जानना, अहंकार को पिघलाना, और उस प्रेम में लीन हो जाना है जो शर्तों से परे है। जब साधक अपने भीतर के मौन में उतरता है, तब उसे अनुभव होता है कि "मैं शरीर नहीं, मन नहीं — मैं आत्मा हूँ, और परमात्मा मेरा सच्चा घर है।"

आध्यात्मिकता कोई भागना नहीं, बल्कि लौटना है । स्वयं में, सत्य में, परमात्मा में।

आत्मा और परमात्मा का संबंध अति सूक्ष्म, लेकिन अत्यंत मधुर है। आत्मा सीमित होते हुए भी परमात्मा की खोज में लगी रहती है। जैसे नदी समुद्र की ओर बहती है, वैसे ही आत्मा भी परमात्मा से मिलने के लिए आकुल रहती है। जब आत्मा परमात्मा में लीन हो जाती है, तभी पूर्ण शांति और आनंद की अनुभूति होती है। यही अंतिम सत्य है

मार्मिक प्रश्नमंच - 217

आसो - कारतक में कौनसी ऋतु आती है ???

(1) शिशिर
(2) वसंत
(3) शरद
(4) हेमंत

प्रश्नमंच 216
जवाब (2)
रवि

विजेता : श्री मीना जीगर - कृष्णनगर

ज्योतिष प्रवेशिका पुस्तक प्राप्त करें
मात्र ₹ 200में । 9428913847

Arham Site
अर्हम् साईट
contact : 8849680131
arhamsite9@gmail.com
जवाब 9428913847 पर whatsapp करें...
ड्रो द्वारा विजेता को नाम अर्हम् दैनिक में आयेगा एवं 13 ₹ ईनाम प्राप्त होगा।

आज के अंक लाभार्थी

श्री रमेशभाई शाह
मालाड (वेस्ट)
मुंबई

www.arhamsite.com
क्लिक करें...

आशीष: प.पू.आ. श्री रविदेव सूरीश्वरजी म.सा

अर्हम् साईट प्रकाशित

अर्हम् दैनिक

अंक : 70 , ता. 9. 6. 2025 , सोमवार , जेठ सुद - 13

धर्मलाभ

कल्पना वह बीज है, जिससे
भविष्य के सारे चमत्कार
जन्म लेते हैं। जो जितना गहराई से
कल्पना करता है, वह
उतना ही ऊँचा उड़ता है।
आचार्य श्री रविदेव सूरिजी

आनंदराज की कलम

~ मुनि आगमप्रिय विजय
{आनंदराज}

कल्पना और शेखचिल्ली को पहचानें..

" कल्पना " और " शेखचिल्ली " के बीच का अंतर समझना दिलचस्प है क्योंकि दोनों ही सोच और मानसिक अवस्था से जुड़े हैं, लेकिन दोनों की प्रकृति और उद्देश्य अलग-अलग होते हैं।

1. कल्पना (Imagination)

:: परिभाषा ::

कल्पना एक मानसिक प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति यथार्थ से परे जाकर कोई नई, रचनात्मक या काल्पनिक चीज़ की रचना करता है। यह एक सकारात्मक और उपयोगी क्षमता है।

:: उदाहरण ::

वैज्ञानिक भविष्य की किसी तकनीक की कल्पना करता है, लेखक नई कहानी रचता है, कलाकार किसी दृश्य की रचना करता है।

:: विशेषताएं ::

रचनात्मक होती है।

सोच-विचार पर आधारित होती है।

इसमें यथार्थ से जुड़ने की संभावना होती है।

प्रगति और आविष्कार की जड़ होती है।

2. शेखचिल्ली....

:: परिभाषा ::

शेखचिल्ली एक ऐसा पात्र है जो असंभव, हास्यास्पद और गैर-हकीकत वाली योजनाएँ बनाता है और उन्हें सच मानने लगता है। यह नाम हिंदी-उर्दू लोककथाओं में एक मूर्खतापूर्ण लेकिन मज़ेदार पात्र के रूप में प्रसिद्ध है।

:: उदाहरण ::

शेखचिल्ली सोचता है कि अगर वह एक बड़ा बर्तन लेकर छत पर खड़ा हो जाए और बादलों के नीचे बर्तन फैलाए, तो बादल उसके बर्तन में दूध गिराएंगे। फिर वह उस दूध को बेचकर बहुत अमीर बन जाएगा।

:: विशेषताएं ::

अव्यवहारिक होती है।

हास्यास्पद और अतार्किक होती है।

यथार्थ से बिलकुल कटी होती है।

अक्सर मज़ाक के रूप में प्रस्तुत की जाती है।

मार्मिक प्रश्नमंच - 218

चंद्र कितने नक्षत्र का स्वामी है ???

(1) 27
(2) 7
(3) 3
(4) 9

प्रश्नमंच 217
जवाब (3)
शरद ऋतु

विजेता : श्री धन्य कुमार - बारसी

ज्योतिष प्रवेशिका पुस्तक प्राप्त करें
मात्र ₹ 200में । 9428913847

Arham Site
अर्हम् साईट
contact : 8849680131
arhamsite9@gmail.com

जवाब 9428913847 पर whatsapp करें...
ड्रो द्वारा विजेता को नाम अर्हम् दैनिक में आयेगा एवं 13 ₹ ईनाम प्राप्त होगा।

आज के अंक लाभार्थी

ज्ञान प्रचार सहयोगी बनने हेतु आप भी अंक लाभार्थी बन सकते हैं । संपर्क करें
8849680131
www.arhamsite.com
क्लिक करें...